जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन

51399

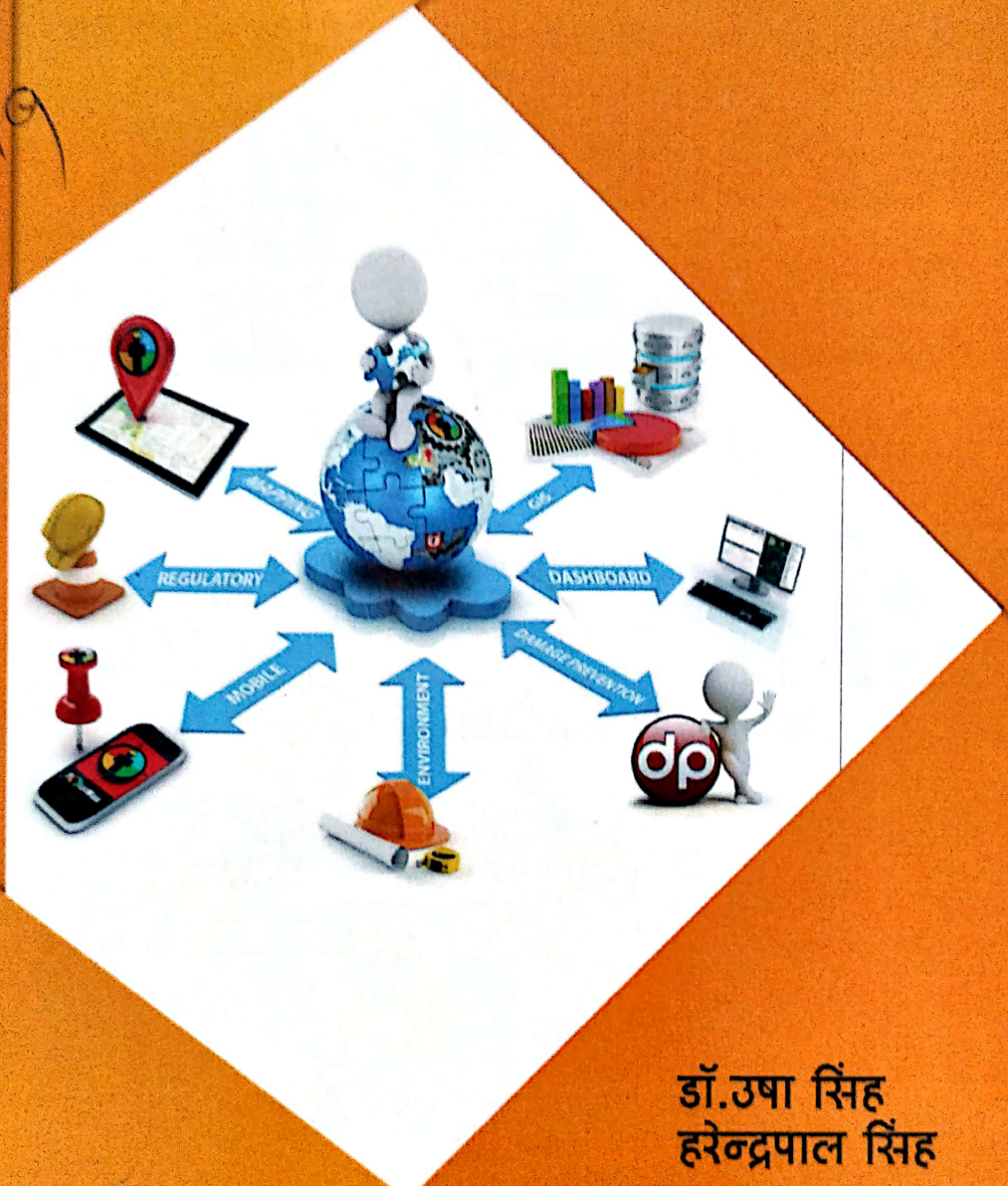

डॉ.उषा सिंह
हरेन्द्रपाल सिंह

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.

Scanned with OKEN Scanner

जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन

N1399

संपादक

डॉ.उषा सिंह
प्राध्यापक
शास.कन्या महाविद्यालय
स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग
टीकमगढ़ (म.प्र.)

एवं

हरेन्द्रपालसिंह
महासचिव
म.प्र.राष्ट्रभाषा प्रचार समिति
टीकमगढ़ (म.प्र.)

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
Limbaganesh, Dist. Beed, Pin-431126
Mobi. 09850203295, 07588057695

Scanned with OKEN Scanner

जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन

© डॉ.उषा सिंह, हरेन्द्रपाल सिंह,
टीकमगढ़ (म.प्र.) मो: ०९९२६२२८०६५

प्रकाशक :

हर्षवर्धन पब्लिकेशन प्रा.लि.
लिंबागणेश, जि.बीड —४३११२६
vidyawarta@gmail.com
09850203295

मुद्रक :

हर्षवर्धन पब्लिकेशन प्रा. लि.
जि. बीड (महाराष्ट्र)

टंकलेखन व पृष्ठरचना :

अर्चना राजेंद्र घोडके

मुखपृष्ठ :

शेख जहीर

प्रथम संस्करण : २०१५—१६
प्रतियाँ : ५००

ISBN 978-81-926851-8-2

मूल्य : 500/ -

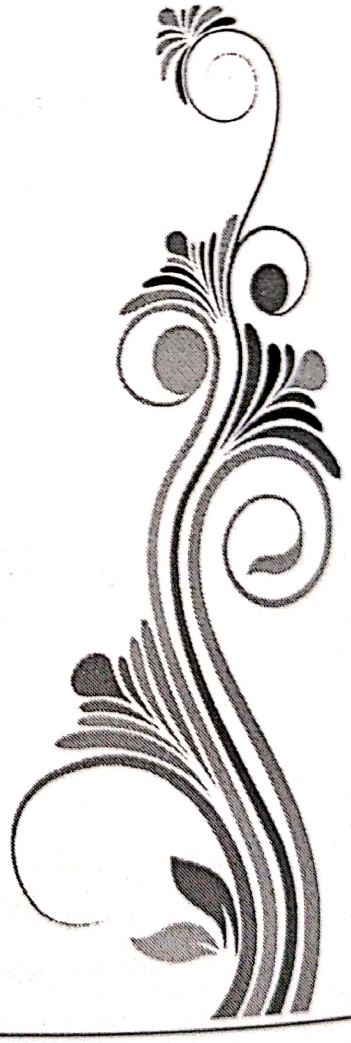

Scanned with OKEN Scanner

S/1399

सामाजिक परीवर्तन में
क्रांतीकारी बदलाव
करणेवाले असंख्य तकनिकी
जादूगरों को समर्पित

Scanned with OKEN Scanner

परिचय

61399

डॉ. उषा सिंह स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग, शासकीय कन्या महाविद्यालय टीकमगढ़ (म.प्र.) में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत है। संयुक्त लेखन में इनकी पुस्तकें – बंधुआ मजदूर : समस्याऐं और समाधान, सामाजिक परिवर्तन के विविध आयाम, भारत में बालश्रम : समस्याऐं और समाधान, आज के दलित : उत्थान और पतन एवं रिश्तों का समाजशास्त्र और वर्तमान परिदृश्य तथा इनके सम्पादन में नागफनी के फूल प्रकाशित हो चुकी हैं तथा इनके सम्पादन में यह पुस्तक ''जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन'' आपके समक्ष प्रस्तुत है। इनके अनेक शोध पत्र नेशनल एवं इंण्टरनेशनल जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं तथा अनेकों राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार में भाग लिया है। यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित 'सिर पर मेला ढोने की प्रथा'' शोध परियोजना बहुत प्रशंसनीय और सराहनीय रही हैं। श्रीमति सिंह की सभी पुस्तकें देश और विदेशों में चर्चित और प्रशंसनीय रही हैं।

Scanned with OKEN Scanner

डॉ.उषा सिंह

डॉ.उषासिंह स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग, शासकीय कन्या महाविद्यालय टीकमगढ़ (म.प्र.) में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत है। संयुक्त लेखन में इनकी पुस्तकें – बंधुआ मजदूर : समस्याऐं और समाधान, सामाजिक परिवर्तन के विविध आयाम, भारत में बालश्रम : समस्याऐं और समाधान, आज के दलित : उत्थान और पतन एवं रिश्तों का समाजशास्त्र और वर्तमान परिदृश्य तथा इनके सम्पादन में नागफनी के फूल प्रकाशित हो चुकी हैं तथा इनके सम्पादन में यह पुस्तक ''जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन'' आपके समक्ष प्रस्तुत है। इनके अनेक शोध पत्र नेशनल एवं इंण्टरनेशनल जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं तथा अनेकों राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार में भाग लिया है। यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित ''सिर पर मेला ढोने की प्रथा'' शोध परियोजना बहुत प्रशंसनीय और सराहनीय रही हैं। श्रीमति सिंह की सभी पुस्तकें देश और विदेशों में चर्चित और प्रशंसनीय रही हैं।

हरेन्द्रपालसिंह म.प्र.राष्ट्रभाषा प्रचार समिति टीकमगढ़ के महासचिव एवं म.प्र.लेखक संघ के प्रवक्ता हैं। श्री सिंह एक वरिष्ठ कवि एवं लेखक हैं। संयुक्त लेखन में इनकी पुस्तकें – बंधुआ मजदूर : समस्याऐं और समाधान, सामाजिक परिवर्तन के विविध आयाम, भारत में बालश्रम : समस्याऐं और समाधान, आज के दलित : उत्थान और पतन एवं नागफनी के फूल कविता संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। रिश्तों का समाजशास्त्र और वर्तमान परिदृश्य का सम्पादन कार्य भी किया है। इनके अनेक शोधपत्र नेशनल जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं तथा अनेकों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया है। यह पुस्तक ''जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन'' इनके सहसम्पादन में आपके समक्ष प्रस्तुत है।

हरेन्द्रपाल सिंह

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
At.Post.Limbaganesh, Tq.Dist.Beed
Pin-431 126 (Maharashtra)
vidyawarta@gmail.com
Mob.09850203295

013909

ISBN :978-81-930285-8-2

Scanned with OKEN Scanner